ई-संदेश

6 नवंबर, 2025 | अंक 178

सात दिन - सात पृष्ठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी देव दीपावली के अवसर पर लेजर शो का अवलोकन करते हुए।

- संग्रहालय का उद्देश्य केवल अतीत का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा केन्द्र बनाना : मुख्यमंत्री
- अन्नदाता किसान खुशहाल और समृद्ध होंगे, तो देश विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगा : मुख्यमंत्री
- सरदार पटेल ने कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अखण्ड भारत के निर्माण में अपना योगदान दिया : मुख्यमंत्री
- उपराष्ट्रपति ने वाराणसी में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में श्री काशी नट्टुकोटई नगर सतराम मैनेजिंग सोसाइटी द्वारा नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन किया
- टेक्नोलॉजी जीवन में परिवर्तन का कारक तथा व्यवसाय को तीव्र गति से आगे बढ़ाने में निर्णायक : मुख्यमंत्री
- अच्छी पुस्तक व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी : मुख्यमंत्री
- उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश महोदय एवं मुख्यमंत्री जी ने डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के मेधावी विद्यार्थियों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये
- गुरु नानक देव जी की उच्च आध्यात्मिक पृष्ठभूमि समाज को मार्गदर्शन और नेतृत्व प्रदान करती है : मुख्यमंत्री
- उ0प्र0 असीमित संभावनाओं का प्रदेश बना, नये भारत के नये उ0प्र0 में विकास व विरासत का अद्भुत समन्वय दिखायी दे रहा: मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने वाराणसी के नमो घाट पर पहला दीप प्रज्वलित कर आस्था, संस्कृति एवं परम्परा के महापर्व देव दीपावली का शुभारम्भ तथा गंगा पूजन किया

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

संग्रहालय का उद्देश्य केवल अतीत का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा केन्द्र बनाना : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 30 अक्टूबर, 2025 को यहां लखनऊ में एक उच्चस्तरीय बैठक में संस्कृति विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने आगरा में बन रहे छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह संग्रहालय भारत के स्वाभिमान, सांस्कृतिक वैभव और वीरता का प्रेरणास्थल बनेगा। यह संग्रहालय आगरा की पहचान को नई ऊँचाई देगा और उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक गौरव का जीवन्त प्रतीक बनेगा।
मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संग्रहालय का उद्देश्य केवल अतीत का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा केन्द्र बनाना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवन्त अनुभव होना चाहिए, जहाँ आगंतुक भारत की गौरवगाथा को महसूस कर सकें। संग्रहालय की प्रत्येक गैलरी को ऐसी थीमैटिक और इन्टरएक्टिव प्रस्तुति दी जाए, जिससे आगन्तुक केवल दर्शक न रहकर सहभागी बन सकें।

मुख्यमंत्री जी ने 'शिवाजी एण्ड द ग्रेट एस्केप गैलरी' के सम्बन्ध में निर्देश देते हुए कहा कि इसमें आगरा किले से छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक मुक्ति की घटना को 7-डी तकनीक, डिजिटल साउंड, लाइट और विजुअल इफेक्ट्स के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए, ताकि आगन्तुक उस क्षण की वीरता और रणनीति का सजीव रूप में अनुभव कर सकें। यह अनुभाग शिवाजी महाराज के स्वराज्य संकल्प का प्रतीक बने।

मुख्यमंत्री जी ने 'अग्रदूतों की गैलरी' में सन् 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के अमर सेनानियों से जुड़ी वस्तुओं, स्मृतियों और दस्तावेजों को सुरक्षित प्रदर्शित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह गैलरी उन अग्रदूतों की गाथा प्रदर्शित करे, जिन्होंने स्वतन्त्रता की नींव रखी। यहाँ झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे और अनेक वीरों की स्मृतियाँ आधुनिक तकनीक के साथ प्रदर्शित की जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने 'त्योहारों की गैलरी' के सम्बन्ध में कहा कि इसमें काशी की महाशिवरात्रि और देव दीपावली, ब्रज का श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और रंगोत्सव, तथा प्रयागराज के महाकुम्भ जैसे प्रदेश के प्रमुख पर्वों का जीवन्त चित्रण हो। यहाँ केवल तस्वीरें न लगाई जाएं, बल्कि प्रत्येक पर्व को इन्टरएक्टिव अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जहाँ प्रकाश, ध्वनि, संगीत और रंगों के माध्यम से आगन्तुक उत्सव का अनुभव कर सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'नदियों की गैलरी' में गंगा, यमुना, सरयू और घाघरा जैसी नदियों से जुड़ी आस्था, संस्कृति और लोकजीवन का सजीव चित्रण हो। 'देवासुर संग्राम' जैसे अनुभाग के माध्यम से सृष्टि, धर्म और मानव मूल्यों की भारतीय व्याख्या को भी दर्शाया जाए। संग्रहालय परिसर में स्थापित सभी कलाकृतियाँ, मूर्तियाँ और स्थापत्य तत्व उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतिनिधित्व करती हुए दिखाई देनी चाहिए। संग्रहालय की प्रत्येक दीवार, आंगन और कलाकृति बोलती हुई कहानी बने, जिसमें लोककला, पारम्परिक शिल्प और आधुनिक कला का समन्वय झलके।

मुख्यमंत्री जी ने 'आगरा गैलरी' में शहर की स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए ताकि आगन्तुकों को मुगलकालीन स्थापत्य, ब्रज संस्कृति और आधुनिक आगरा का समग्र परिदृश्य एक साथ देखने को मिले। उन्होंने 'ओरिएंटेशन गैलरी' को संग्रहालय की प्रस्तावना के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए, जहाँ आगंतुकों को संग्रहालय के उद्देश्य, छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उस कालखण्ड के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश का परिचय मिल सके।

"

संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवन्त अनुभव होना चाहिए, जहाँ आगंतुक भारत की गौरवगाथा को महसूस कर सकें। संग्रहालय की प्रत्येक गैलरी को ऐसी थीमैटिक और इन्टरएक्टिव प्रस्तुति दी जाए, जिससे आगन्तुक केवल दर्शक न रहकर सहभागी बन सकें।

अन्नदाता किसान खुशहाल और समृद्ध होंगे, तो देश विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 30 अक्टूबर, 2025 को यहां लखनऊ में गन्ना किसानों से संवाद कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से अन्नदाता किसानों के हित में किये जा रहे कार्यां की श्रृंखला के अन्तर्गत गन्ना किसानों की मांग के अनुरूप गन्ना मूल्य बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसका प्रत्यक्ष लाभ गन्ना किसानों को प्राप्त होगा। अन्नदाता किसानों की उपेक्षा कर कोई राज्य या देश समृद्ध नहीं हो सकता। अगर देश के अन्नदाता किसान खुशहाल और समृद्ध होंगे, तो देश विकास के पथ पर निरन्तर अग्रसर रहेगा। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी ने कहा था कि देश के विकास का रास्ता गांव के खेत और खलिहानों से होकर जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को गोपाष्टमी पर्व तथा गन्ना किसानों को पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में ऐतिहासिक 30 रुपये प्रति कुन्तल की वृद्धि पर बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की समृद्ध कृषि प्रधान व्यवस्था में गोवंश का महत्वपूर्ण योगदान है। अन्नदाता किसान इसके साक्षी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत के अन्नदाता किसान खुशहाली की एक नई राह पर चल पड़े हैं। धरती मां, जो हमारा पेट भरती हैं, उनके उपचार के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। प्रधानमंत्री जी के आगमन के बाद पहली बार पूरे देश में स्वॉयल हेल्थ कार्ड की व्यवस्था प्रारम्भ की गयी। स्वॉयल हेल्थ कार्ड के माध्यम से मृदा का परीक्षण किया जाता है। पूरे देश में अन्नदाता किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, वन नेशन वन मण्डी आदि योजनाओं की लम्बी श्रृंखला संचालित है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अन्नदाता किसानों को अपनी उपज को एक मण्डी से दूसरे मण्डी ले जाने पर टैक्स नहीं लगता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत अन्नदाता किसानों को 06 हजार वार्षिक धनराशि दी जाती है। देश के 12 करोड़ किसान इससे लाभान्वित हो रहे हैं। यह धनराशि प्राप्त हो जाने से किसान अपनी रोजमर्रा की जरुरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में विगत 08 वर्षों में 23 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचाई की सुविधा प्रदान की गयी। 86 लाख किसानों के कर्जमाफी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू किया गया।अर्जुन सहायक परियोजना, बाणसागर परियोजना, सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना विगत कई वर्षों से लम्बित पड़ी थी, उन्हें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से जोड़ा गया। केन्द्र व राज्य सरकार के नेतृत्व में इन परियोजनाओं को पूर्ण कराकर अन्नदाता किसानों को पानी की सुविधा प्रदान की गयी। प्रदेश सरकार ने 16 लाख निजी नलकूपों के विद्युत बिल को माफ किया।

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में कई क्रय केन्द्र स्थापित किये गये। प्रदेश सरकार ने तय किया कि क्रय केन्द्रों के माध्यम से जिस किसान के नाम पर भूमि होगी, उसी से उपज को क्रय किया जाएगा तथा एम0एस0पी0 का सीधा लाभ अन्नदाता किसानों को प्राप्त होगा।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विगत साढ़े 08 वर्षों में गन्ना मूल्य में 85 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि की गयी, जिसका सीधा लाभ किसान भाइयों को प्राप्त हो रहा है।वर्ष 2017 में प्रदेश सरकार ने तय किया कि प्रदेश में कोई चीनी मिल बंद नहीं होने देंगे। जो चीनी मिलें बंद हैं, उनको चलाने के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाएगा। चीनी मिलों का आधुनिकीकरण एवं विस्तारीकरण होना चाहिए। इसके दृष्टिगत प्रदेश की 42 चीनी मिलों ने अपनी क्षमता का विस्तार किया है। चार से अधिक नई चीनी मिलें लगी हैं। प्रदेश में कोजेन प्लाण्ट, डिस्टलरी व एथेनॉल प्लांट स्थापित हुए हैं। चीनी मिलें एक शुगर कॉम्प्लेक्स के रूप में कार्य कर रही है।

आज प्रदेश में 122 चीनी मिलों का संचालन किया जा रहा हैं। 105 चीनी मिलें ऐसी हैं, जो एक सप्ताह के अंदर गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही है। कोई अन्नदाता किसान अपने गन्ना मूल्य से वंचित नहीं रहेगा। आज प्रदेश में गन्ने का दायरा 20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर लगभग 30 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है। गन्ना किसानों को कम लागत तथा अधिक मुनाफा कमाने के लिए अच्छी क्वालिटी के सीड और तकनीक का प्रयोग करना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुछ प्रगतिशील किसानों ने 2600 कुन्तल प्रति हेक्टेयर गन्ना का उत्पादन किया है। अधिक उत्पादन की प्रतिस्पर्धा प्रदेश के प्रत्येक किसान के बीच

होनी चाहिए। अच्छी क्वालिटी के गन्ना उत्पादन हेतु सरकार आपका सहयोग करेगी। प्रदेश सरकार अन्नदाता किसानों को तकनीक से जोड़ेंगी। डिस्टलरी, कोजेन तथा एथेनॉल प्लाण्ट वर्षपर्यन्त चलते हैं। प्रदेश के किसान जितना गन्ना पैदा करेंगे, उतनी चीनी मिलें, डिस्टलरी प्लाण्ट तथा एथेनॉल प्लाण्ट लगेंगे। परिणामस्वरूप प्रदेश में निवेश बढ़ेगा, जिससे लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अन्नदाता किसानों के सम्मान का कार्यक्रम प्रदेश भर में किया जाना चाहिए, जिन्होंने उत्तर प्रदेश को पुनः खाद्यान्न उत्पादन, एथेनॉल उत्पादन, चीनी उत्पादन तथा गन्ना उत्पादन में नंबर एक पर पहुंचाया है। वर्ष

2007 से 2017 के बीच में 01 लाख 37 हजार करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान हुआ था। उसकी तुलना में प्रदेश सरकार द्वारा 2017 से लेकर अभी तक 02 लाख 92 हजार करोड़ रुपये से अधिक का गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। जिन किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान किन्हीं कारणवश नहीं हुआ है, उन किसानों के खाते में धनराशि उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में टेक्नोलॉजी का उपयोग कर गन्ना किसानों को ऑनलाइन पर्ची देने की व्यवस्था की गयी है। इससे घटतौली, माफियागिरी बंद हो गई। इसी प्रकार खेती-किसानी व अन्य कार्यों को और बेहतर बनाने में टेक्नोलॉजी का उपयोग करना चाहिए। उत्तर प्रदेश में अकेले चीनी मिलों के द्वारा 10 लाख से अधिक लोगों को सीधे-सीधे रोजगार उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने खाड़सारी में रियायत व सुविधाएं देते हुए लाइसेंस निःशुल्क दिये। इससे आवश्यकतानुसार चीनी मिल, डिस्टलरीज, एथेनॉल प्लाण्ट, कोजेन प्लाण्ट तथा फाइन सुगर की यूनिटें लगेंगी। जहां गुड़ की आवश्यकता होगी, वहां खाड़सारी उद्योग फलेगा। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक स्थिति में अन्नदाता किसानों को उनकी उपज का अच्छा दाम मिले, उनके चेहरे पर खुशहाली आए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 2.5 करोड़ लोग गन्ना की खेती से जुड़े हुए हैं। उनकी आजीविका का आधार गन्ना है। उन्होंने प्रगतिशील गन्ना किसानों से अनुरोध किया कि वे गन्ने की खेती के साथ-साथ सहफसली की भी पैदावार करें। प्रगतिशील किसान शोध केंद्रों के द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उपयोग कर उत्पादन की लागत को कम करते हुए मुनाफा को कई गुना बढ़ा सकते हैं। डबल इंजन सरकार आपके साथ है तथा आपके हितों के संवर्धन तथा संरक्षण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने 31अक्टूबर , 2025 को लखनऊ में पूर्व आईएएस अधिकारी और बाल साहित्यकार डॉ. अनिता भटनागर जैन जी की पर्यावरण और नैतिकता पर आधारित 'दिल्ली की बुलबुल' कहानी संग्रह पुस्तक के संस्कृत संस्करण का विमोचन किया मुख्यमंत्री जी ने कहानी संग्रह की प्रशंसा करते हुए बच्चों में संस्कृत भाषा की जीवंतता बनाये रखने के इस प्रयास की सराहना की है।

सरदार पटेल ने कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अखण्ड भारत के निर्माण में अपना योगदान दिया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 31 अक्टूबर, 2025 को यहां जी0पी0ओ0 लखनऊ स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आज पूरा देश अखण्ड भारत के शिल्पी लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर भारत के लिए उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2014 में प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में उनकी जयंती को मनाने का निर्णय लिया था। इस वर्ष सरदार पटेल की 150वीं जयन्ती के अवसर पर सरदार/150 यूनिटी मार्च का राष्ट्रव्यापी आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधने वाली रन फॉर यूनिटी दौड़ के माध्यम से भारत के युवाओं के मन में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार हो रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने एक भारत-आत्मनिर्भर भारत को समर्पित 'रन फॉर यूनिटी' एकता दौड़ का फ्लैग ऑफ कर शुभारम्भ तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश के सभी जनपदों में युवा और समाज के प्रत्येक तबके के लोग 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लेकर राष्ट्रीय अखण्डता को सुदृढ़ बनाने का कार्य कर रहे हैं। हमारी प्राचीन परम्परा में वर्णित है कि 'शिवो भूत्वा शिवं यजेत्' अर्थात् शिव बनकर शिव की पूजा करो। हम जिसको सम्मान दे रहे हैं, उसके अनुरूप बने। जिसकी पूजा कर रहे हैं, उसके अनुरूप स्वयं को तैयार करें। यही सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्मृतियों को जीवन्त बनाने के लिए केवड़िया, गुजरात में उनकी दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की गयी है। आज यह प्रतिमा राष्ट्रीय प्रेरणा स्थली के रूप में देशवासियों को नई प्रेरणा प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उनका जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। देश की आजादी के आंदोलन में उन्होंने बढ़-चढ़कर नेतृत्व प्रदान किया था। देश की आजादी के पश्चात ब्रिटिशर्स की साजिश भारत को अनेक टुकड़ों में विभाजित करने की थी। उन्होंने देशी रियासतों को स्वतंत्रता दी थी कि वह चाहें तो भारत अथवा पाकिस्तान में अपना विलय कर सकती हैं, अथवा अपना स्वतन्त्र अस्तित्व बनाए रख सकती हैं। हैदराबाद और जूनागढ़ के निजाम और नवाब द्वारा भारत में सम्मिलित होने में आनाकानी की जा रही थी। सरदार पटेल ने उन्हें समझाते हुए कहा कि भारत की अखण्डता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब देश के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभक्ति का भाव प्रबल रूप में होता है, तो राष्ट्र अखण्डता के सूत्र में बंध कर अपनी एकता को सुदृढ़ बनाए रखता है। सरदार पटेल ने कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अत्यंत सहजता के साथ देश की 563 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाकर अखण्ड भारत के निर्माण में अपना योगदान दिया। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में भारत के संविधान की धारा 370 को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर को अखण्ड भारत का हिस्सा बनाया गया।

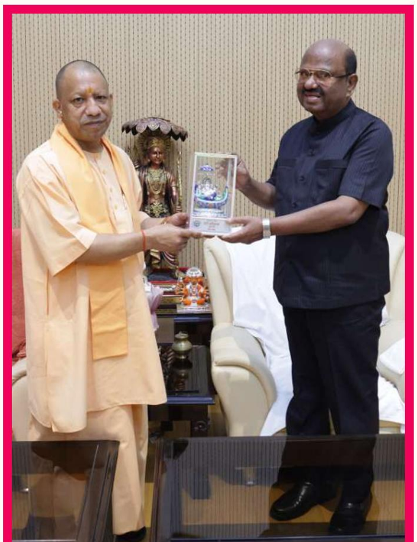

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से 05 नवम्बर, 2025 को उनके सरकारी आवास पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ0 सी0वी0 आनन्द बोस ने शिष्टाचार भेंट की।

उपराष्ट्रपति ने वाराणसी में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में श्री काशी नट्टूकोटई नगर सतराम मैनेजिंग सोसाइटी द्वारा नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन किया

उपराष्ट्रपति श्री सी0पी0 राधाकृष्णन जी ने 31 अक्टूबर, 2025 को जनपद वाराणसी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में श्री काशी नट्ठु कोटई नगर सतराम मैनेजिंग सोसाइटी द्वारा नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन किया।

उपराष्ट्रपति जी ने इस अवसर पर कहा कि काशी को दुनिया की आध्यात्मिक राजधानी माना जाता है। काशी और तमिलनाडु के बीच पुराने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध रहे हैं। उन्होंने वाराणसी की प्रगति का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि 60 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सतराम भवन विश्वास, लचीलेपन और क्षेत्रों के बीच सहयोग का प्रतीक है। धर्म की ही जीत होती है। राज्य सरकार के प्रयासों से ही सतराम भवन की भूमि अतिक्रमण से मुक्त हुई है।

उपराष्ट्रपति जी ने कहा कि सतराम भवन आने वाले भक्तों को बहुत फायदा पहुंचाएगा और साथ ही, आध्यात्मिक जागरूकता फैलाने में भी मदद करेगा। नवनिर्मित सतराम भवन 10 मंजिला इमारत है, जिसमें 140 कमरे हैं। इसे श्री काशी नट्ठु कोटई नगर सतराम मैनेजिंग सोसाइटी ने 60 करोड़ रुपये की लागत से बनाया है। यह वाराणसी में सोसाइटी का दूसरा सतराम है, जो आने वाले भक्तों को रहने की जगह देने और युवा पीढ़ी को पवित्र शहर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। यह पहल काशी-तमिलनाडु के गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करके 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाती है। काशी और दक्षिण भारत के बीच तीर्थयात्रा की पुरानी परम्परा रही है।

उपराष्ट्रपति जी ने कहा कि उन्होंने देवी अन्नपूर्णा अम्मन देवी की मूर्ति को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में वापस लाने की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मूर्ति, जो एक सदी पहले वाराणसी के मंदिर से चोरी हो गई थी, प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत सरकार के लगातार प्रयासों से वर्ष 2021 में कनाडा से भारत वापस लाई गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भारत गणराज्य के उपराष्ट्रपति श्री सी0पी0 राधाकृष्णन जी के काशी की पावनधरा तथा उत्तर प्रदेश प्रथम आगमन पर हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन करते हुए कहा कि वाराणसी के गंगा जी के किनारे से लेकर तमिलनाडु की कावेरी नदी के तट तक की हमारी साझी परम्परा हमें याद दिलाती है कि भाषाएं भले ही अलग हां, भारत की आत्मा एक ही है, जो शाश्वत समावेशी एवं अटूट सम्बन्धों से जुड़ी हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्री काशी नट्ठु कोटई नगर सतराम मैनेजिंग सोसाइटी द्वारा नवनिर्मित धर्मशाला श्रद्धालुओं को ठहरने का एक सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराएगी। साथ ही, काशी और तमिलनाडु के प्राचीन सांस्कृतिक सम्बन्धों को और सुदृढ़ भी करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तमिलनाडु की 'तेनकाशी' में भगवान विश्वनाथ का एक प्राचीन मन्दिर है। तेनकाशी का अर्थ है-दक्षिण की काशी। पांड्य देश के सम्राट श्री हरिकेसरी परक्किराम पांड्यिम ने काशी से ज्योर्तिलिंग लाकर तेनकाशी की स्थापना की। तमिलनाडु में 'शिवकाशी' नामक एक पवित्र स्थान भी है। काशी और तमिलनाडु में भारतीय संस्कृति के सभी तत्व समान रुप से संरक्षित हैं। भारत में संस्कृत भाषा के अतिरिक्त तमिल साहित्य ही सबसे प्राचीन साहित्य है। समस्त भारतीय भाषाएँ और उनका साहित्य सभी को अपने में समाहित करता है। समावेशी सांस्कृतिक प्रेरणा का यह स्रोत समाज में सद्भाव और समरसता बनाए हुए है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उपराष्ट्रपति जी द्वारा आज यहां धर्मशाला का उद्घाटन किया गया है। इस स्थान पर 200 वर्ष पूर्व से नट्ठु कोटई समाज द्वारा यह भूमि श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर की पूजा-अर्चना के लिए दी गई थी। लेकिन बीच के कालखंड में कुछ लोगों ने इस पर अतिक्रमण करके तथा जबरन कब्जा करने का प्रयास किया था। जैसे ही समिति के लोगों ने इसकी जानकारी मुझे दी, स्थानीय प्रशासन से कहकर उस अतिक्रमण को समाप्त कराया गया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि सोसाइटी 200 वर्षों से भगवान विश्वनाथ की पूजा आराधना के लिए समर्पित है। सोसाइटी द्वारा देश और दुनिया के तमिल समुदाय के लोगों के लिए एक अति उत्तम धर्मशाला का निर्माण यहां पर किया गया है। इसकी आधारशिला केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने रखी और आज भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा इसका उद्घाटन किया गया है। उन्होंने तमिलनाडु एवं विश्व के अन्य स्थानों से आये अतिथियों से कहा कि अगर दुनिया में निवेश का सबसे अच्छा केंद्र भारत है, तो भारत में उत्तर प्रदेश में निवेश की बेहतरीन सुविधाएं निवेशकों को उपलब्ध हैं।

टेक्नोलॉजी जीवन में परिवर्तन का कारक तथा व्यवसाय को तीव्र गति से आगे बढ़ाने में निर्णायक : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 01 नवम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर में सैमसंग इनोवेशन कैम्पस फेज़-3 में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये। कार्यक्रम में सैमसंग इण्डिया द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इण्डिया के सहयोग से आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स, बिग डाटा, इण्टरनेट ऑफ थिंग्स, एवं कोडिंग एण्ड प्रोग्रामिंग जैसी इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षण प्राप्त 1,600 से अधिक प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गये।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि टेक्नोलॉजी जीवन में परिवर्तन का कारक तथा व्यवसाय को तीव्र गति से आगे बढ़ाने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन करती है। युवाओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स फील्ड में पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। हमें डे-टू-डे के कार्यों को टेक्नोलॉजी के माध्यम से और आसान बनाने की दिशा में कार्य तथा इनोवेशन करना चाहिए। विश्व में महाशक्ति वही देश बना है, जहां के युवा इनोवेशन तथा रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट के कार्यक्रम के साथ जुड़े हैं। देश में जितना अधिक रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट होगा, वह देश और समाज उतना ही आगे बढ़ेगा। सैमसंग इनोवेशन कैम्पस ने प्रदेश के युवाओं को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री जी ने युवाओं का आह्वान किया कि वह इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के साथ जुड़ें। मॉडर्न टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण अर्थव्यवस्था को बढ़ाने तथा प्रत्येक नागरिक को स्वावलम्बी बनाने में मदद करती है। प्रदेश के युवा विकसित भारत के निर्माण में सकारात्मक दिशा में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग कर आगे बढ़े। ईज ऑफ लिविंग में तकनीक बहुत सहायक होती है। इसके दृष्टिगत राज्य सरकार स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत 02 करोड़ युवाओं को निःशुल्क टैबलेट/स्मार्टफोन उपलब्ध कराने का कार्यक्रम आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत दुनिया को बड़ी ताकत के रुप में एहसास करा रहा है। लीडरशिप वही होती है, जो अपने कार्यपद्धति के माध्यम से देश के परसेप्शन को बदलने का सामर्थ्य रखती हो। जब समाज लीड करता है, तो वह प्रोग्रेस करता है। भारत दुनिया में सबसे अधिक मोबाइल फोन और इण्टरनेट की सुविधा प्राप्त करने वाला देश है। भारत की कुल मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का 55 प्रतिशत तथा इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स का 60 प्रतिशत निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पी0एम0 इण्टर्नशिप और सी0एम0 इण्टर्नशिप स्कीम के साथ प्रदेश के युवाओं को जोड़ने की कार्यवाही की जाए। युवाओं के लिए कैम्पस सिलेक्शन आयोजित किये जाएं, जिसके माध्यम से उन्हें अच्छा पैकेज प्राप्त हो सके। इससे युवा प्रधानमंत्री जी के विचारों के अनुरुप स्टार्टअप संस्कृति को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे सकेंगे। प्रधानमंत्री जी का मानना है कि हमारे पास स्केल बहुत है और उसे अब स्किल करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 आज इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसकी भूमिका और बढ़ सकती है यदि प्रदेश की सभी संस्थाएं, तथा विश्वविद्यालय इसे समयबद्ध तरीके से लागू करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजीज लि0 के सहयोग से वोकेशनल एजुकेशन के अन्तर्गत 150 से अधिक राजकीय आई0टी0आई0 को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के साथ युवाओं को जोड़ने का बड़ा कार्यक्रम आगे बढ़ाया है। आज न केवल वोकेशनल एजुकेशन में, बल्कि टेक्निकल एजुकेशन को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास प्रारम्भ किये गये हैं।

अच्छी पुस्तक व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 01 नवम्बर, 2025 को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत द्वारा आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव का शुभारम्भ किया। गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 01 से 09 नवम्बर, 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अच्छी पुस्तक व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी होती है। भारत की श्रवण परम्परा जो गुरु-शिष्य की परम्परा थी, उसे हमारे ऋषि-मुनियों ने लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों के लिए पुस्तकीय ज्ञान के माध्यम से संरक्षित करने का कार्य किया। गोरखपुर पुस्तक महोत्सव आगामी 09 दिनों तक विभिन्न प्रकार की रचनात्मक पुस्तकों का केन्द्र बनेगा और गोरखपुर सहित पूर्वी उत्तर प्रदेशवासियों को उनकी रुचि की पुस्तकें सस्ते में खरीदने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी लगातार पठन-पाठन के बारे में लोगों को प्रेरित करते रहे हैं। उनका मानना है कि देश तभी आगे बढ़ता है, जब लोग पढ़ते हैं। लोगों में पढ़ने की जिज्ञासा होती है। गोरखपुर की धरती इसलिए महत्वपूर्ण है। विगत 100 वर्षों से अधिक समय से गीता प्रेस भारत की सनातन धर्म से जुड़ी पुस्तकें को सस्ती दर पर देश-दुनिया को उपलब्ध कराने का कार्य करता आ रहा है। वर्ष 1926 से गोरखपुर से प्रारम्भ 'कल्याण' मासिक पत्रिका सनातन धर्मावलम्बियों द्वारा पढ़ी जाती रही है।

गोरखपुर की धरती से सम्बन्ध रखने वाले फिराक गोरखपुरी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर व बहुत अच्छे साहित्यकार थे। प्रख्यात उपन्यासकार प्रेमचंद ने भी गोरखपुर की धरती को अपनी कर्मभूमि बनाकर कई महत्वपूर्ण कृतियों को सृजित किया था। आज प्रो0 विश्वनाथ त्रिपाठी जैसे साहित्यकार हम सबके बीच हैं। श्री रामदरश मिश्र आज हमारे बीच में नहीं है, लेकिन उनकी साहित्य सेवा लोगों को सदैव मार्गदर्शन व प्रेरणा देने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री जी ने प्रख्यात साहित्यकार श्री रामदरश मिश्र की स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेश सरकार की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि साहित्यकार की कृति को जब अधिक से अधिक लोग पढ़ते हैं, तब वह उत्साहित होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस पुस्तक महोत्सव में विभिन्न प्रकार की रचनात्मक पुस्तकों के 200 से अधिक स्टॉलों पर लोगों को अपनी रुचि की पुस्तक चयन कर सस्ते में खरीदने का एक बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा। हमारा प्रयास होना चाहिए कि गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ-साथ विभिन्न संस्थाओं के लोग अलग-अलग समय में यहां आकर गोरखपुर पुस्तक महोत्सव का अवलोकन करें। महोत्सव के दौरान विभिन्न मुद्दों पर परिचर्चा हो। यहां नई कृतियों और पुस्तकों के विमोचन कार्यक्रम और समाज जीवन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विद्वानों के विचारों को सुनने व उनके अनुभवों को जानने का एक सुअवसर प्राप्त होगा। महोत्सव में सायंकालीन सत्र में लोक कला और लोक गाथा से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज डबल इंजन सरकार वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए पुस्तकालयों की एक नई श्रृंखला की स्थापना कर रही है। प्रदेश में 57 हजार 600 से अधिक ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय की स्थापना का कार्य या तो पूरा हो चुका है या लगभग अंतिम चरण में है। सभी पूर्ण हो चुके ग्राम सचिवालयों में एक कक्ष का प्रयोग केवल पुस्तकालय के लिए किया जायेगा। पुस्तकालय के लिए अच्छी पुस्तकों को क्रय करने और गांव के बच्चों व बुजुर्गों के लिए अपने समय का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए एक व्यवस्था बनायी गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित 01 लाख 56 हजार से अधिक विद्यालयों में से 01 लाख 36 हजार विद्यालयों का ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से पुनरुद्धार कराया जा चुका है और प्रत्येक विद्यालय में पुस्तकालय की व्यवस्था की गई है। डिजिटल लाइब्रेरी व अच्छी पुस्तकें क्रय करके विद्यालय में रखा गया है। विद्यालय तथा ग्राम सभा के स्तर पर भी प्रयास करके बच्चों के मन में पढ़ने की परम्परा को पुनर्जीवित करने के कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश महोदय एवं मुख्यमंत्री जी ने डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के मेधावी विद्यार्थियों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये

भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश मा0 न्यायमूर्ति श्री सूर्यकान्त जी, न्यायाधीश मा0 न्यायमूर्ति श्री विक्रम नाथ जी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं न्यायाधीशगण 02 नवम्बर, 2025 को यहां डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए। मा0 न्यायमूर्ति श्री सूर्य कान्त ने मुख्य अतिथि के तौर दीक्षान्त समारोह का शुभारम्भ किया। मा0 न्यायमूर्ति श्री सूर्य कान्त जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

मा0 न्यायमूर्ति श्री सूर्य कान्त जी ने विधि छात्र-छात्राओं के साथ अपने विधिक सफर के अनुभव साझा करते हुए कहा कि लीगल प्रोफेशन आपका प्रोफेशन सिर्फ इसलिए नहीं है कि यह आपके लिए एकमात्र रास्ता है, बल्कि इसलिए भी है कि आप ट्रांसफार्मेशन के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। मैं जो कहूंगा उसे शाम को हो सकता है भूल जाऊं, चाहे यह शब्दों में न याद रहें लेकिन जो सोचता हूँ उसके पीछे की भावना याद रहेगी। लॉयर्स की सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि वह कितना जानते हैं, बल्कि इस बात पर निर्भर करती है कि उनके अन्दर जानने व सीखने की कितनी इच्छा है।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार न्याय व्यवस्था को सुलभ, पारदर्शी और आधुनिक बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के जीवन का सबसे स्वर्णिम और गौरवपूर्ण दिन है। आप सभी छात्र-छात्राओं ने भारत के लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तम्भ भारत की न्यायपालिका के शीर्ष न्यायमूर्तियों के कर-कमलों से उपाधि अर्जित की है। भारत की संसद तथा न्यायपालिका का बोध वाक्य 'धर्मो रक्षति रक्षितः, यतो धर्मस्ततो जयः' भी इसी भाव के साथ हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव आगाह करता है। धर्म हमारे जीवन पद्धति का हिस्सा है। लोगों की आस्था के अनुरूप उपासना पद्धति अलग-अलग हो सकती है। धर्म के जिस दीक्षा उपदेश को यहां छात्र-छात्राओं ने ग्रहण किया है, वह उन्हें कर्तव्यों के प्रति निरन्तर प्रेरित करता रहेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रों को डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कोर्ट प्रणाली, अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन और साइबर लॉ जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स और डिजिटल एजुकेशन की उपयोगिता को बढ़ाने हेतु न्यायिक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान में नए हॉस्टल, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और आधुनिक प्रशिक्षण कक्षाओं का निर्माण कराया जा रहा है। न्यायिक अधिकारियों प्रॉसिक्यूटर्स, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का निरन्तर प्रशिक्षण तथा स्किल डेवलपमेन्ट के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजादी के अमृतकाल के प्रथम वर्ष में न्याय की धारणा पर आधारित तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियत-2023 को लागू किया गया है। इन्हें सफलतापूर्वक लागू करने में पूरा देश तेजी के साथ आगे बढ़ा है। रुल आफ लॉ, बेंच और बार के बेहतरीन समन्वय से ही आगे बढ़ सकती है। बेंच सामान्य रूप से एक आम मानविकी के विवेक और बार संवेदना का प्रतीक है। विवेक और संवेदना में समन्वय होता है, तो रुल आफ लॉ की परिकल्पना को मूर्त रूप में साकार होते देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेंच और बार के मध्य बेहतर समन्वय हेतु इन्टीग्रेटेड कोर्ट परिसर बनाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत 10 जनपदों के लिए एक साथ धनराशि जारी की गई है। एक ही कैम्पस में जिले स्तर के सभी प्रकार के कोर्ट तथा बार के लिए व्यवस्था, आवास तथा अन्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही, जनपदीय न्यायालयों के डिस्ट्रिक्ट जजों के चैंबर में ए0सी0 लगाने की सहमति भी प्रदान की गई है। बार और बेंच के बीच में बेहतर समन्वय बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। डिजिटल डिपोजिशन राइटर की स्वीकृति दी गई है। आज इलाहाबाद उच्च न्यायालय सुदृढ़ तथा बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं तथा बच्चों सम्बन्धी अपराधों में प्रभावी पैरवी कर त्वरित न्याय दिलाने हेतु 380 से अधिक पॉक्सो तथा फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन की कार्यवाही की गई है। लोक अदालत, मीडिएशन, आर्बिट्रेशन के माध्यम से भी त्वरित न्याय उपलब्ध करवाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाए हैं। इसमें विधिक सेवा प्राधिकरण व न्यायालयों की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में प्रत्येक रेंज स्तर पर विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की गई, जिन्होंने कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है।

राज्य स्तर पर यू0पी0 स्टेट फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का गठन किया गया है, जिसके माध्यम से अच्छे और दक्ष युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन्टरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को और सशक्त किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत ई-कोर्ट, ई-पुलिसिंग, ई-प्रॉसीक्यूशन, ई-फॉरेंसिक और ई-प्रिज़न को इन्टीग्रेटेड प्लेटफार्म के साथ जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। इस प्रणाली से न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रिया में तेजी आएगी। प्रत्येक व्यक्ति के लिए पारदर्शी और कुशल न्याय सुलभ कराने में सफल होंगे।

कार्यक्रम को डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के विजिटर और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश मा0 न्यायमूर्ति श्री विक्रम नाथ, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मा0 न्यायमूर्ति श्री अरुण भंसाली, डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अमरपाल सिंह ने भी संबोधित किया।

गुरु नानक देव जी की उच्च आध्यात्मिक पृष्ठभूमि समाज को मार्गदर्शन और नेतृत्व प्रदान करती है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 05 नवम्बर, 2025 को यहां डी0ए0वी0 कॉलेज, लखनऊ के प्रांगण में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के सामने मत्था टेका। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी को सरोपा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी महाराज भारत के उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे। उन्होंने 500 वर्ष पूर्व समाज की व्यवस्था को सुदृढ़ रखने तथा समाज के संगठन, मूल्यों और आदर्शों के लिए जो आदेश तथा मार्गदर्शन दिया, उसी पर आधारित भारत की व्यवस्था आज हमें देखने को मिलती है। उनकी उच्च आध्यात्मिक पृष्ठभूमि समाज को मार्गदर्शन और नेतृत्व प्रदान करती है। सम्पूर्ण सिख पंथ इसी सुदृढ़ नींव के साथ आगे बढ़ रहा है। आज देश और धर्म के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सिख गुरुओं तथा सिख क्रान्तिकारियों/महापुरुषों के त्याग व बलिदान को नतमस्तक करने का अवसर व प्रेरणा दिवस है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु नानक देव जी महाराज ने समाज संगठन के लिए प्रत्येक तबके को मिल बांट कर खाने और गरीबों को अन्नदान करने का निर्देश तथा मार्गदर्शन दिया। उनके द्वारा यात्रा करने के दिए गए आदेश का दर्शन आज भी पवित्र गुरुद्वारों में देखने को मिलता है। उस समय जब दुनिया में साधन नहीं थे, तो व्यक्ति पैदल यात्रा करता था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु नानक देव जी महाराज की उच्च कोटि की आध्यात्मिकता और सिद्धि यह प्रदर्शित करती है कि भारत में संतों और महापुरुषों की एक श्रृंखला रही है। इस पर ही भारत की नींव बनी है। जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रान्ता की बर्बरता को झेल रहा था, आस्था पर प्रहार किया जा रहा था, मन्दिर तोड़े जा रहे थे, महिलाओं की सुरक्षा खतरे में थी, तमाम राजे-रजवाड़े घुटने टेकने के लिए मजबूर हो रहे थे, तब एक महापुरुष ने हुंकार भर कर ललकारा। गुरु नानक देव ने बाबर को जल्लाद कहा। उन्होंने बिना किसी भय, दबाव य चिंता के केवल आध्यात्मिक ज्ञान से समाज को आशीर्वाद प्रदान किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पंजाब के तराई क्षेत्रों में कुछ सिख बन्धु धर्मांतरण करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मैंने ऐसा सुना है कि पंजाब में प्रत्येक परिवार का एक व्यक्ति या सबसे बड़ा पुत्र सिख पंथ के लिए समर्पित होकर कार्य करता था, वही सिख बनता था। सिखों के धर्मांतरण की बात सुनने पर दर्द होता है। हमें इस प्रकार की दुष्प्रवृत्ति को सख्ती से रोकना होगा। यदि कहीं कोई खामी है, तो परिमार्जन के लिए स्वयं को तैयार करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज ने खालसा पंथ की स्थापना की। देश के विभिन्न कोनों से जिन लोगों को किसी न किसी प्रकार से बाहर करने का प्रयास किया जा रहा था, गुरु गोबिंद जी ने उन लोगों को साथ जोड़कर पंच प्यारे के रूप में सम्मानित किया। उन्होंने जाति-पाती के भेद को समाप्त किया। उन्होंने मिल बांट कर समाज के संगठन को मजबूती प्रदान करने की प्रेरणा दीं। कोई विदेशी आक्रांता या विधर्मी तभी सेंध लगाता है, जब हम उन्हें अवसर प्रदान करते हैं। हमें ऐसा कोई अवसर नहीं देना चाहिए।

उ0प्र0 असीमित संभावनाओं का प्रदेश बना, नये भारत के नये उ0प्र0 में विकास व विरासत का अद्भुत समन्वय दिखायी दे रहा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 05 नवम्बर, 2025 को यहां सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण तथा इस योजनान्तर्गत आर्थिक रूप से कमजोर 72 परिवारों को फ्लैट के आवंटन-पत्र प्रदान किये। मुख्यमंत्री जी ने निर्मित फ्लैट्स का अवलोकन कर 'एकता वन' में पौधरोपण किया।

इस अवसर पर आयोजिय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज इस पावन अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा जरुरतमंदों को लखनऊ की सबसे प्राइम लोकेशन पर आवास प्रदान किये जा रहे हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा लाभार्थियों को यहां एक आवास 10.70 लाख रुपये में उपलब्ध कराया गया है। यदि यह आवास प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर हो जाते हैं, तो लाभार्थियों को यह और भी सस्ते पड़ेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में विगत साढ़े 08 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से प्रदेश में अब तक 60 लाख जरुरतमंदों को एक-एक आवास उपलब्ध कराया गया है।

आज प्रदेश सरकार की बेहतरीन कानून-व्यवस्था मॉडल के रूप में जानी जा रही है। उत्तर प्रदेश अब असीमित सम्भावनाओं का प्रदेश बन चुका है। दुनिया का हर बड़ा उद्यमी प्रदेश में निवेश करने को तैयार है। विगत साढ़े 08 वर्षों में प्रदेश में लगभग 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतारे जा चुके हैं। 05 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव ग्राउण्ड ब्रेकिंग के लिए पाइपलाइन में हैं। इन निवेश प्रस्तावों के माध्यम से यहां के युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नये भारत के नये उत्तर प्रदेश में विकास व विरासत का अद्भुत समन्वय दिखायी दे रहा है। यहां युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। अन्नदाता किसानों का सम्मान किया जा रहा है। व्यापारियों के उत्थान के लिए अनेक नीतियां तैयार की गयी हैं। प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक तबके के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम स्वयं में एक संदेश प्रदान कर रहा है कि यदि कोई माफिया या अपराधी गरीबों, व्यापारियों अथवा सार्वजनिक सम्पत्ति पर कब्जा करेगा, तो उसको उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा। प्रदेश में माफियाओं के कब्जे से मुक्त करायी गयी भूमि पर गरीबों के आवास बनाये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां निर्मित 72 आवासों के लिए 08 हजार लोगों ने आवेदन किया था। इनमें 5,700 आवेदन आवास के लिए अर्ह पाये गये। लखनऊ विकास प्राधिकरण से कहा गया है कि जरुरतमंदों को सस्ते में आवास उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाएं, ताकि उनके जीवन तथा चेहरे पर खुशहाली आए। प्रत्येक गरीब के मन में तमन्ना होती है कि उसके पास भी अपना घर हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती के अवसर पर उनके प्रति इससे बड़ी श्रद्धांजलि और क्या हो सकती है कि हम उनका स्मरण कर गरीबों को आवास उपलब्ध करा रहे हैं। यहां आवास के सामने निर्मित 'एकता वन' उन्हें समर्पित किया गया है। प्रदेश सरकार प्रत्येक जनपद में सरदार वल्लभ भाई पटेल रोजगार केन्द्रों के निर्माण की दिशा में कार्य कर रही है, जिसके माध्यम से युवाओं का स्किल डेवलपमेंट करते हुए, उन्हें प्रदेश में ही योग्यतानुसार रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। लाभार्थियों ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी आवास आवंटन प्रक्रिया के लिए मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट किया।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी के नमो घाट पर पहला दीप प्रज्वलित कर आस्था, संस्कृति एवं परम्परा के महापर्व देव दीपावली का शुभारम्भ तथा गंगा पूजन किया

“

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 05 नवम्बर, 2025 को वाराणसी के नमो घाट पर पहला दीप प्रज्वलित कर आस्था, संस्कृति एवं परम्परा के महापर्व देव दीपावली का शुभारम्भ किया। इसके उपरान्त उन्होंने गंगा पूजन भी किया। मुख्यमंत्री जी के दीप प्रज्वलित करते ही पवित्र श्री काशी विश्वनाथ धाम में माँ गंगा के सभी 88 घाट असंख्य दीपों से जगमग हो उठे।

इसके उपरान्त, मुख्यमंत्री जी ने नमो घाट से क्रूज से काशी के गंगा घाटों पर देव दीपावली के विहंगम दृश्य तथा शिवाला घाट पर गंगा की जल लहरियों पर लेज़र शो का अवलोकन किया। इस दौरान गंगा घाटों पर ग्रीन आतिशबाजी भी हुई।

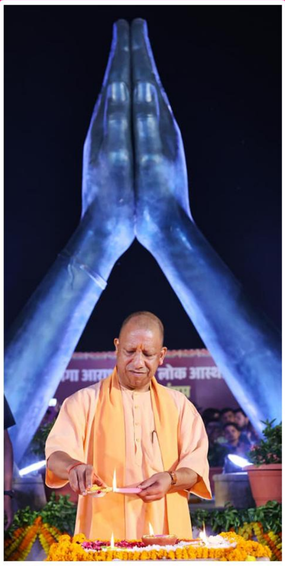

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित